सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम

(प्रबोध पत्राचार पाठ्यक्रम)

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में हिंदीतर भाषी सहकर्मियों के लिए राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रबोध पत्राचार पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों के लाभार्थ **23-24 फरवरी 2015** तक **व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान करना तथा उन्हें भाषा व व्याकरण संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, के श्री पृथ्वी सिंह, संयुक्त निदेशक, श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक तथा श्री कमलजीत, एसपीए संस्थान में आए थे। जुलाई 2014 से मई 2015 सत्र में संस्थान के 12 सहकर्मी पंजीकृत हैं।

संस्थान की पीजीआरपीई कक्षा-2 में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में **श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी** ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रशिक्षार्थियों को संकाय सदस्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता व महत्व की जानकारी दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रशिक्षार्थी हिंदी भाषा के संबंध में अपनी सभी शंकाओं का समाधान करेंगे तथा संस्थान में विद्वान विशेषज्ञों की उपस्थिति का लाभ उठाएँगे।

इस अवसर पर श्री पृथ्वी सिंह, संयुक्त निदेशक, के.हिं.प्र.सं., नई दिल्ली ने भारत सरकार की राजभाषा नीति की चर्चा करते हुए केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त करने की अनिवार्यता के बारे में बताया। उन्होंने सही व शुद्ध लेखन के बारे में बताते हुए मानक व परिवर्द्धित देवनागरी लिपि की जानकारी दी। देश की विभिन्न प्रांतीय भाषाओं के ज्ञानी श्री पृथ्वी सिंह ने बताया कि जिस प्रकार अंग्रेजी भाषा में अन्य भाषा के शब्द समाहित हैं उसी प्रकार हिंदी भी अन्य देशी-विदेशी भाषा के शब्दों से समृद्ध हुई है। उन्होंने हिंदीतर भाषी प्रशिक्षणार्थियों को तमिल व बंगला भाषा में संवाद कर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

प्रशिक्षार्थियों को भाषा लेखन की सामान्य अशुद्धियों की जानकारी देते हुए श्री पृथ्वी सिंह, संयुक्त निदेशक, के.हिं.प्र.सं.

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए **श्री वासुदेव सिंह,** सहायक निदेशक ने सभी प्रशिक्षार्थियों को आश्वासन दिया कि वे इन दो दिनों में प्रशिक्षार्थियों की सभी समस्याओं के निराकरण का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षार्थियों को जानकारी देने के साथ-साथ अभ्यास भी कराएँगे ताकि उनकी समस्याओं का समाधान साथ-साथ हो सके।

प्रशिक्षणार्थियों से हिंदी व्याकरण तथा प्रश्न पत्र पर चर्चा करते हुए श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक

कार्यक्रम के दौरान 23 फरवरी को **श्री वासुदेव सिंह**, सहायक निदेशक ने प्रशिक्षार्थियों द्वारा हिंदी भाषा के व्याकरण पर चर्चा करते हुए लिंग व वचन के संबंध में सामान्यतया की जाने

वाली गलतियों के बारे में जानकारी दी। 24 फरवरी को श्री पृथ्वी सिंह तथा श्री वासुदेव सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र के प्रारूप पर चर्चा की। उन्होंने विगत वर्ष के प्रश्न पत्र के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों के प्रश्नों व जिज्ञासाओं का समाधान किया। श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक ने प्रशिक्षार्थियों को इंटरनेट के माध्यम से लीला प्रबोध जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयर टूल्स पर अध्ययन करने की सुविधा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन टूल्स की मदद से शब्दों के उच्चारण और लेखन का अभ्यास सहजता से स्वयं ही किया जा सकता है।

प्रशिक्षार्थियों को इंटरनेट टूल्स के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में में अतिथि वक्तओं ने सभी सत्रों में दी गई जानकारी को प्रशिक्षार्थियों के लाभार्थ संक्षेप में पुन: दोहराया। अभ्यास के लिए कक्षा में कंप्यूटर, प्रोजेक्टर तथा बड़ी स्क्रीन आदि की भी व्यवस्था की गई थी।

अंतिम(समापन)सत्र में श्री पृथ्वी सिंह तथा श्री वासुदेव सिंह ने अपने आतिथ्य व अन्य सुविधाओं के लिए संस्थान के निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी तथा राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण के लिए सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा किए जा रहे प्रयास की सराहना की तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण के संबंध में दर्शाई जा रही गंभीरता की भी प्रशंसा की। प्रतिभागियों ने इस व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सभी प्रकार की व्यवस्था करने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ को धन्यवाद दिया तथा आयोजन के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए संकाय सदस्यों व श्री कमलजीत जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों संकाय सदस्यों ने अत्यंत सरल व सहज विधि से हमारी शंकाओं का समाधान किया तथा हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि की ।

इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य तथा प्रशासनिक अधिकारी **श्री रोहित गुप्ता** ने भी संस्थान के सहकर्मियों को अति महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान तथा तीनों अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने तीनों अतिथियों को संस्थान की ओर से **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी हमारे संस्थान को उनका सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा।

के हिं प्र संस्थान, नई दिल्ली के अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए श्री रोहित गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी

समापन सत्र में प्रशिक्षण अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रशासनिक अधिकारी श्री रोहित गुप्ता

श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी, ने प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण व उपयोगी जानकारी देने, प्रश्न पत्र के प्रारूप से परिचित करवाने व तत्संबंधी अभ्यास कराने के लिए तीनों अतिथियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की बड़ी उपलब्धि यह है कि इससे प्रशिक्षार्थियों के आत्मविश्वास में बहुत वृद्धि हुई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनका संक्षिप्त पिलानी प्रवास आनंददायक रहा होगा और सभी प्रशिक्षार्थी इस आयोजन से अवश्य लाभान्वित हुए होंगे।

इस प्रकार यह दो-दिवसीय व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम संपन्न हुआ।